।। श्री ।। त्र्यंबकेश्वर -एस. टी. डी. -02594 ☎: 233178

:9 88 11 99 178

वे. किशोरशास्त्री त्र्यंबकशास्त्री पाटणकर

वे. केदार पाटणकर (दशग्रंथी) - वे. कौस्तुभ पाटणकर (स्मार्ताभिज्ञ)

पं. भालचंद्र स्मृती बिल्डींग ग्राऊंड फ्लोअर, पं. नथुशास्त्री पाटणकर चौराह,
पं. त्र्यंबकशास्त्री नथुशास्त्री पाटणकर पथ, पाच आळी, परशुराम मंदिर के पास,
मु. पो. श्रीक्षेत्र त्र्यंबकेश्वर, ता. त्र्यंबकेश्वर, जि. नाशिक - 422212 (महाराष्ट्र)

अ. क्र.	विधीचे का नाम	दक्षिणा खर्च	विधी के लिए यहाँ आते समय साथ में लेकर आनेकी वस्तुओं की सुची कपडे नये, काला रंग छोडकर सफेद या अन्य किसी रंग के लाईये। विधी के लिए लगनेवाले वस्त्र, नागप्रतिमा आप त्र्यंबकेश्वर में भी खरीद सकते है।
01	नारायण नागबली	3901/-	1 धोती, 1 अंगोछा, 1 साडी, 1 पेटीकोट, 1 ब्लाऊज, 1 ग्रॅम वजनकी सोने की नाग प्रतिमा
02	कालसर्प शांती	2101/-	1 धोती, 1 अंगोछा, 1 साडी, 1 पेटीकोट, 1 ब्लाऊज, कुवाँरी लडकी को पंजाबी ड्रेस ।
03	त्रिपिंडी श्राद्ध	1601/-	1 धोती, 1 अंगोछा, 1 साडी, 1 पेटीकोट, 1 ब्लाऊज,
04	तिनों विधी साथ में करने हेतू	7603/-	3 धोती, 3 अंगोछे, 3 साडीयाँ, 3 पेटीकोट, 3 ब्लाऊज, 1 ग्रॅम वजनकी सोने की नाग प्रतिमा

उपर लिखे हुअे वस्त्रोंका पुजा होने के बाद यहाँ त्याग करना पडता है।

उपर लिखे हुअे खर्चेमें धार्मिक विधी को बैठने वाले एक या दो व्यक्तीयों के भोजन, निवास, स्नान के लिए गरम पानि आदी खर्चेका अंतर्भाव किया है। जादा व्यक्तीयों के भोजन वैगेरे का प्रतिदिन 200 रूपये (हर व्यक्ती के लिये) जादा खर्चा आयेगा। यहाँ साथ आये हुए (तिन दिन यहाँ रहनेवाले) व्यक्ती के हातसे अगर तिसरे दिन कोई धार्मिक कार्य होता है तो उस व्यक्ती के दो दिन के निवास भोजन आदी का दो दिन का खर्चा प्रतिदिन 200 रूपये आयेगा।

विशेष सुचना:- धार्मिक विधी पुजा करते समय गुरुजी (पंडितजी) की एकाग्रता होना बहुत महत्वपूर्ण है। फोन के कारण एकाग्रता भंग होकर रुकावटे आती है। इसी कारण किशोरशास्त्री (गुरुजी) उपर लिखे फोनपर बहुत कम समय उपलब्ध होते है। फोनपर उनके परिवार के सदस्य बेटे, बहूँ, विद्यार्थी उपलब्ध होते है।

हमारी लिखी हुई धर्म और विज्ञान का मिलाप करनेवाली किताबे-

1) आद्य ज्योतिर्लींग त्र्यंबकेश्वर शंकर तत्वज्ञान के साथ। 2) नारायण नागबली, त्रिपिंडी श्राद्ध, कालसर्प योग के संबंध में।
3) नारायण नागबली भाग-2 मृत्युउपरान्त सद्गती। 4) वैज्ञानिक दृष्टीकोनसे वेद व पुराण।
5) संत शिरोमणी निवृत्तीनाथ चरित्र।

कृपया मुहुरत पिछले पन्ने पर देखीए।

सभी प्रकार के धार्मिक विधी यथाशास्त्र करने की 250 सालों की परंपरा।
भोजन, निवास, हेतु बेहतरीन व्यवस्था उपलब्ध

(फोन समय - दोपहर 1 से 5.30 रात्रौ 8 से 10 तक)

नारायण नागबली के (तीन दिन के विधी) मुहूरत सन 2017-2018

मार्च 2017	2–गुरु	5–रवि	9–गुरु	19–रवि	30–गुरु			
अप्रैल 2017	2–रवि	5–बुध	10–सोम	15–शनि	20–गुरु	26–बुध	29–शनि	
मई 2017	2–मंगल	9–मंगल	12–शुक्र	17–बुध	23–मंगल (8–24 बाद)		26–शुक्र	30–मंगल
जून 2017	4–रवि	8–गुरु	14–बुध	20–मंगल	26–सोम			
जुलाई 2017	1–रवि	11–मंगल	17–सोम	23–रवि (9–53 बाद)		28–शुक्र		
अगस्त 2017	2–बुध	13–रवि	20–रवि					
सितंबर 2017	4–सोम (11–18 तक)		10–रवि	13–बुध	16–शनि	27–बुध		
अक्तुबर 2017	7–शनि	10–मंगल	ग्रहों के अस्त काल के कारण मुहूरत नही है।					
नवंबर 2017	6–सोम	10–शुक्र	17–शुक्र	20–सोम	25–शनि			
दिसंबर 2017	1–शुक्र	4–सोम	7–गुरु	12–मंगल	ग्रहों के अस्त काल के कारण मुहूरत नही है।			
जनवरी 2018	ग्रहों के अस्त काल के कारण मुहूरत नही है।							
फरवरी 2018	3–शनि	6–मंगल	10–शनि	14–बुध	21–बुध	27–मंगल		
मार्च 2018	8–गुरु	14–बुध						

* नारायण नागवली विधी के तिसरे दिन त्रिपिंडी श्राद्ध और कालसर्प शांत विधी हो सकते है।

* आपके कुल में (सगे और चचेरे) इस सात में शादी, व्रतबंध या किसी का मृत्यू हुआ होगा तो उसके बाद 6 महिने या 1 साल तक नारायण नागबली यह विधी नही कर सकते। (मामा, मौंसी, बुआ, श्वसुर, इन कुलोंका संबंध नही।) यह नियम त्रिपिंडी श्राद्ध और कालसर्प शांत इन विधीयों को बंधनकारक नही है।

त्रिपिंडी श्राद्ध और कालसर्प शांत (एक दिन के विधी) मुहूरत सन 2017-2018

मार्च 2017	8–बुध	18–शनि	26–रवि	27–सोम				
अप्रैल 2017	8–शनि	9–रवि	14–शुक्र	19–बुध	24–सोम			
मई 2017	7–रवि	8–सोम	15–सोम	20–शनि	21–रवि	29–सोम		
जून 2017	2–शुक्र	7–बुध	11–रवि	12–सोम	18–रवि	19–सोम	24–शनि	25–रवि
जुलाई 2017	4–मंगल	9–रवि	14–शुक्र	16–रवि	22–शनि	26–बुध	27–गुरु	31–सोम
अगस्त 2017	5–शनि	6–रवि	12–शनि	16–बुध	17–गुरु	27–रवि		
सितंबर 2017	2–शनि	3–रवि	7–गुरु	9–शनि	19–मंगळ	20–बुध	23–शनि	24–रवि
अक्तुबर 2017	2–सोम	5–गुरु	13–शुक्र	14–शनि	ग्रहों के अस्त काल के कारण मुहूरत नही है।			
नवंबर 2017	5–रवि	9–गुरु	13–सोम	16–गुरु	23–गुरु	29–बुध		
दिसंबर 2017	10–रवि	11–सोम	15–शुक्र	ग्रहों के अस्त काल के कारण मुहूरत नही है।				
जनवरी 2018	ग्रहों के अस्त काल के कारण मुहूरत नही है।							
फरवरी 2018	9–शुक्र	13–मंगल	18–रवि	19–सोम	24–शनि	25–रवि		
मार्च 2018	11–रवि	12–सोम	17–शनि					

कृपया अधोलिखित नियमोंको ध्यान पूर्वक पढकर श्रद्धासे और स्वइच्छासे त्र्यंबकेश्वर क्षेत्र पर विधी करने के लिए आईए।

1) आपकी सुविधानुसार मुहूर्त निश्चित करके हमारा मोबाईल नं. 9881199178 पर आपका नाम, पूजा का नाम, पूजा करने की तारीख यह जानकारी **S.M.S.** द्वारा पहले भेजकर मुहूर्त के एक दिन पहले त्र्यंबकेश्वरमें रहनेके लिए आए। **S.M.S.** करनेसे वह मॅसेज आपके और हमारे मोबाईल में स्टोअर रहता है।

2) शामके भोजनोपरान्त पूजा संबंधी जानकारी दी जाती है, जो आपके लिए जरुरी है। अत: इसके लिए शाम 6/7 पहुँचना जरुरी है। तथा त्र्यंबकेश्वरमें होनेवाली श्रद्धालुओंकी भीड के चलते त्र्यंबकेश्वर भगवान का दर्शन जिस दिन आप आएंगे उसी दिन कर लेना उचीत होगा, इस लिए जल्दी आनेका प्रयास करे।

3) नासिक से त्र्यंबकेश्वर का रास्ता रात को सुनसान रहता है अत: सुरक्षा की दृष्टीसे भी शामको जल्दी आना उचित है।

4) रात 11 बजेसे सुबह 4 बजेतक हमारे निवास मे किसी हालात मे प्रवेश वर्जित है। अत: देरी होनेपर सुबह 4 से 5 बजे के बीच संपर्क करे। (फोन:- 02594-233178 मोबा.:-9881199178)

5) पूजा के लिए अकेले व्यक्ति आनेपर निवास व्यवस्था हमारे तरफसे नही की जाएगी, कमसे कम दो व्यक्ति होना जरुरी है। यहाँ आते समय अपनी फोटो आयडेंटीटी साथ में लाना जरुरी है।

6) अपने प्रायव्हेट वाहनसे आनेवाले भाविक ध्यान रखे की, त्र्यंबकेश्वर शहरसे 1 या 2 कि.मी. पिछे बाये हाथ को श्री स्वामी समर्थ सेवा केंद्र इस नाम की कमानिया मे से (गेट मे से) रस्ता है। उस रास्ते का उपयोग करके आप हमारे घर तक पहुँच सकते है।

7) उपरोक्त विधी के लिए परिवारीक सब सदस्य उपस्थित होना जरुरी नही है। केवल सपत्निक अथवा अकेला पुरुष यह पुजा कर सकते है। माता पिता जिवित होनेपर भी अविवाहित पुरुष नारायण नागबली,त्रिपिंडी श्राद्ध, कालसर्प शांत विधी कर सकता है।

8) पूजन के समय बुजुर्ग, बिमार तथा विकलांग व्यक्तियोंको साथ न लाए। आपकी कोई दवा इ. हो तो पर्याप्त मात्र मे साथ लाए यहाँ मिलने की उम्मीद न करे।

9) थंड तथा बरसात यहा अधिक मात्रा मे होती है, अत: ऋतू काल समझकर छाता तथा गरम कपडे साथ लाए। गर्मी मे पानी की कमी होने के कारण कमसे कम व्यक्ति आनेका प्रयास करे।

10) जलपान नाष्टा करना आपके लिए अनिवार्य होनेपर बिगर प्याज-लहसून का जलपान साथ लाए।
हमारे तरफसे जलपान की व्यवस्था नही की जाती।

11) माता भगिनियों की महावारी के समय पूजा नही की जा सकती, अत: इस काल को टालकर यहाँ आना करे।

12) मद्यपान आदि अनुचित वर्तन दिखाई देनेपर उस परिवार की कोई पूजा इ. नही की जाएगी।

13) आपके बच्चे छोटे होनेपर उनके रक्षण हेतू एक अतिरिक्त व्यक्ति साथ रखे। जिससे पूजन करते समय आपका ध्यान पूजनमे रहने के लिए सहाय्यता होगी।

14) आपकी भोजन निवास आदि की व्यवस्था करना हमारा कर्तव्य है, किन्तू आप पूजन मे सम्मिलित होने के लिए आए है, इसे ध्यान मे रखकर हमारे पास उपलब्ध घरेलू व्यवस्था का स्विकार करे। किसी तरह के होटल जैसी व्यवस्था की अपेक्षा न करे अथवा इस विषय पर कोई बहस करनेका प्रयास न करे।

15) हम आपके पुरोहित है इस विशेष बात को स्वीकार करके हमारे तरफसे की गयी घरेलू सेवा सुविधा आपका खुद का घर समझकर स्वीकार करे।

ग्रहों के अस्त काल मे और अधिक माह में विवाह आदि शुभ कार्यो के मुहूरत नही होते है। नारायण नागबली, त्रिपिंडी श्राद्ध, कालसर्प शांत ये काम्य विधी है। (फल मिलने हेतु किए जानेवाले विधी) होने के कारण ग्रहों के अस्त काल में यह विधी करना शास्त्रीय दृष्टीसे निषीद्ध माना गया है (फलदायी नही है)।
इसलिए इस कालावधी में मुहुरत दिये नही है।

*** अस्त कालावधी:- 15 ऑक्टोंबर से 4 नोव्हेंबर 2017 * 16 डिसेंबर 2017 से 31 जानेवारी 2018**

पं. भालचंद्र स्मृती

स्वामी

• कार पार्किंग की व्यवस्था उपलब्ध •

* निवास और भोजन की उत्तम व्यवस्था *

Pandit Bhalchandra Smruti Building, Pandit Nathushastri Patankar Chowk,
Pandit Tryambakshastri Nathushastri Patankar Road,
Near Parshuram Mandir, Paach Aali, TRIMBAKESHWAR, Dist. Nashik-422212 (Maharashtra)

* संपर्क *

वे. किशोरशास्त्री त्र्यंबकशास्त्री पाटणकर

वे. केदार पाटणकर (दशग्रंथी) - वे. कौस्तुभ पाटणकर (स्मार्ताभिज्ञ)

☎:(02594) 233178 : 9 88 11 99 178

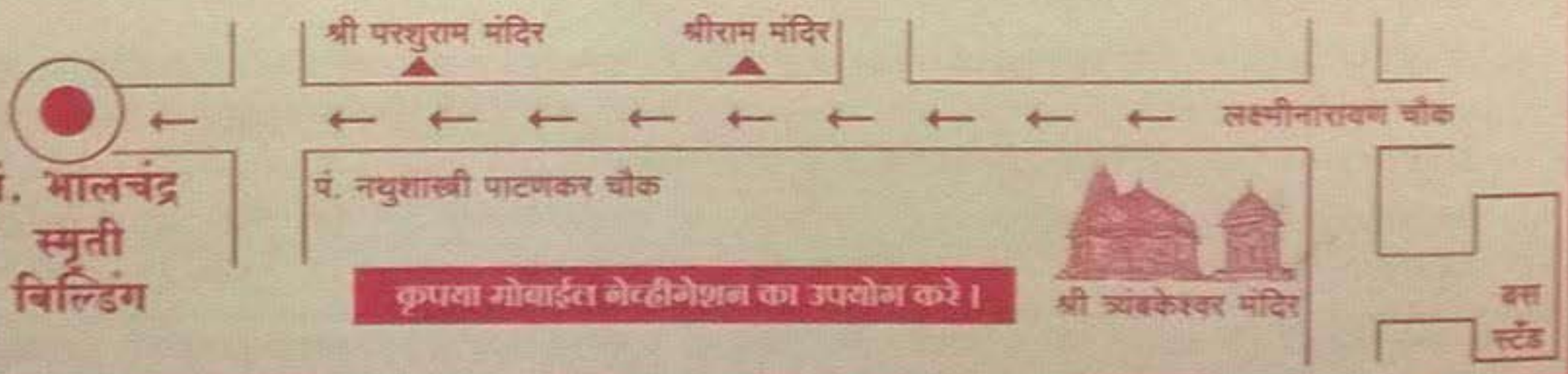

* विविध स्थानोंसे त्र्यंबकेश्वर का अंतर *

- शिर्डी :- 120 किमी.
- शनिशिंगणापूर:- 195 किमी.
- नाशिक:- 28 किमी.
- मनमाड:- 120 किमी.
- मुंबई:- 210 किमी.
- पुणे:- 240 किमी.